

PAPERS LAID ON THE TABLE—
Contd.

SHRI G. C. BHATTACHARYA (Uttar Pradesh): Sir, I am on a point of order. (Interruptions)

MR. CHAIRMAN: One by one. (Interruptions).

श्री सभापति : एक पार्टी से दो आदमी एक साथ बोलते हैं ।

श्री शिव चन्द्र झा (बिहार) : तीन-तीन भी बोलते हैं ।

श्री सभापति : मैं अकेला हूँ, मेरे दो कान हैं । मेरे तीन कान नहीं हैं ।

श्री लाडली मोहन निगम (मध्य प्रदेश) : असल में मेरा व्यवस्था का प्रश्न है । जब आपने मंत्रियों को सदन पटल पर कागज रखने के लिए कहा—आपको मालूम है कि पिछले दो-तीन रोज से आपको दिन-प्रति-दिन कितनी देर लगती है, पन्द्रह मिनट लग जाते हैं, खाली पढ़ने में ।

अब मैं नहीं समझ सकता कि एक साथ क्या जरूरत पड़ी है, या यह जान-बूझ करके ऐसा करना चाहते हैं । एक साथ आखिरी दिन जिस दिन सदन खत्म हो रहा है, उसी दिन लगातार कागजों का ढाल एक साथ ला कर के रख दें, ताकि कोई इस पर आगे सांच न सके, दिमाग न लगाए ।

इस पर आपको कुछ न कुछ सरकार को निर्देश देना चाहिए कि आखिरी दिन इसकी क्या जरूरत पड़ी है ? क्यों यह पुरानी चीजें, पुराने अध्यादेश एक साथ लाकर के रख देते हैं ? यह संसदीय मर्यादा के खिलाफ है, अच्छा नहीं है । यह संसदीय शोभा के खिलाफ है ।

तो मैं इतना ही निवेदन करना चाहता हूँ कि आइंदा के लिए आप कहें । सदन के नेता से भी मैं निवेदन करना चाहूँगा कि आइंदा से इस तरीके से मत करें । सदन सभ्यता भर के लिए चल रहा है,

तो इन्हें बांट दीजिए, लेकिन ऐसा मत कीजिए ।

THE LEADER OF THE HOUSE (SHRI PRANAB KUMAR MUKHERJEE): It happens because, on the last day, whatever remaining work is to be done, is done. In regard to the procedure and whether the rules are being followed, we have appointed a Committee on laying of papers. The hon. Member can put forward his suggestions before that Committee.

श्री शिव चन्द्र झा : मेरा प्वाइंट आफ ऑर्डर सुन लीजिए । सभापति महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है कि आज हम लोगों को पार्लियामेंट का बुलेटिन I नहीं मिला । इसीलिए सब बातों का मैं आपके सामने डाकुमेंटरी प्रूफ नहीं रख सकता, लेकिन जो अखबारों में बातें आई हैं, उनसे मुझे पता लगा—मैं आज रात ही आया हूँ—कि कल यहाँ पर हाउस में डिबीजन की मांग की गई थी किसी इशु पर, किसी विषय पर । लेकिन उनको मौका नहीं दिया गया और दूसरे विषय पर चले गये । डिबीजन मांगना सदन में किसी अमेंडमेंट को लेकर यह बात, महोदय, सदन के प्रासीजर के मुताबिक है (व्यवधान) आपको पूरा अधिकार है ... (व्यवधान)

श्री चन्दन के० बागची (बिहार) : सभापति महोदय, यह प्रश्न पैदा ही नहीं होता (व्यवधान) कल यह हाउस में थे ही नहीं (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Don't write anything.

मेरा रूल है कि जब मैं खड़ा रहता हूँ, तो कुछ भी आप कहेंगे वह लिखा नहीं जाएगा । सब ने अपनी कलम डाल दी है ।

तो इसलिए फायदा क्या है शोर करने से । जो आपका असली मतलब है, वह तो हल होता ही नहीं है ।

In my chamber, this morning I was apprised of some event which took place yesterday. We talked it over and we left that possibly it was somewhat unfortunate that it should have happened and I assure the House that I will take extreme care that such a thing does not happen again. (*Interruptions*) No more on this (*Interruptions!*)

(Mr. Deputy Chairman in the chair)

SHRI P. N. SUKUL (Uttar Pradesh): Sir, I am on a point of order. This is very important.

श्री उपसभापति : आप कृपा करके बैठ जाइये। मैं सब की बात सुनूंगा। बैठ तो जाइये। एक-एक आदमी को बोलने दीजिए।

REFERENCE TO THE ALLEGED CONTRADICTION IN THE STATE- MENTS OF RAILWAY MINISTER

SHRI P. N. SUKUL (Uttar Pradesh): Mr. Deputy Chairman, there is a very important point of order. Yesterday in reply to my question.. (*Interup-tions*).

MR. DEPUTY CHAIRMAN; Hon. Members, please take your seats.

SHRI P. N. SUKUL: Yesterday in reply to my question No. 3185, in which I had suggested that a train should be run from Jammu to Kanya-kumari, I got the reply from the Minister that no such proposal was under consideration and for lack of resource, such as coaches, diesel engines and line capacity, such a train could not be run. And today we see a news item which is also a statement by the Railway Minister that a train will be run from Jammu Tawi to Kanyakumari. What is this, Sir, Only yesterday he says it cannot be run and in today's papers he has announced that such a train can be run. What is this, Sir?

The news item which has appeared today must have been issued yesterday. And this question was also replied to yesterday. It was my suggestion that a train should be run from Jammu Tawi to Kanyakumari. And in reply to my question, he says: "It is not possible because of this, this and this". And in papers today we see that he has announced that a train will be run from Jammu Tawi to Kanyakumari. What should be done?

SHRI MANUBHAI PATEL (Gujarat): Bring a Privilege Motion.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please take your seat. You pass it on to me.

SHRI P. N. SUKUL: I should pass it on to you?

MR. DEPUTY CHAIRMAN; Yes.

श्री संयद अहमद हाशमी (उत्तर प्रदेश): इसी पाइन्ट पर मुझे कहना है। मिस्टर पी० एन० सुकुल ने अनास्टाई क्वेश्चन नं० 3185 में पूछा था—

[شری سید احمد ہاشمی : اسی

پوائنٹ پر مجھے کہنا ہے - مسٹر پی - این - سکل نے ان استاڈے کوئشن نمبر ۳۱۸۵ میں پوچھا تھا -]

•whether there is any proposal under Government consideration to run a direct superfast train between Jammu Tawi and Kanyakumari under the name of 'Kashmir-Kanya-kumari Express' or 'Aasetu Himalay Express'; (b) if so, by when the introduction of such a train is expected; and (c) if reply to part (a) above be in the negative, what are the reasons therefor?"

SHRI P. N. SUKUL. That was my question.

f [] Transliteration in Arabic Script.